ज्ञान. आवाज़. लोकतंत्र.
प्रिया

कार्यक्रम प्रतिवेदन

विश्व हाथ धुलाई दिवस
के अवसर पर विकास खण्ड स्तरीय
अभियान कार्यक्रम

प्रस्तुति

ज्ञान. आवाज़. लोकतंत्र.
प्रिया

पार्टिसिपेटरी रिसर्च इन एशिया
42 तुगलकाबाद इंस्टिट्युशनल एरिया, नई दिल्ली – 110 062
फोनः 011 – 29960931/32/33, फैक्सः 011–29995 5183
ईमेलः info@pri.org, वेबसाइटः www.pria.org

पृष्ठभूमि

देश भर में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार के द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' का आरम्भ किया गया है। झारखण्ड सरकार के द्वारा भी इस अभियान को प्राथमिकता के आधार पर पूरे राज्य भर में चलाया जा रहा है। इस संबंध में राज्य सरकार के द्वारा स्वच्छता के लक्ष्य को पाने के लिये विभिन्न प्रकार के प्रयास किये जा रहे हैं। इनमें समुदाय आधारित स्वच्छता अभियान को ध्यान में रखकर समुदाय और उसकी संस्थाओं से जुडे विभिन्न त्योहारों, उत्सवों, दिवसों इत्यादि पर अलग–अलग कार्यक्रमों का किया जाना शामिल है।

राज्य के रामगढ़ जिले में 'स्वच्छ भारत मिशन' के अन्तर्गत लगातार किये गये प्रयासों से जिले को खुले में शौच से मुक्त जिला होने का गौरव भी प्राप्त हुआ है। इसी श्रृंखला में रामगढ़ जिला प्रशासन के द्वारा जिले के ग्रामीण लोगों में स्वच्छता और साफ–सफाई के प्रति और जागरूकता लाने तथा विशेष रूप से व्यवहार परिवर्तन के प्रति सजग बनाने के लिये विश्व हाथ धुलाई दिवस 2017 के उपलक्ष्य में एक 17 अक्टूबर को जिला स्तरीय अभियान चलाने का कार्यक्रम तय किया गया। यह भी तय किया गया कि हाथ धुलाई के अभियान में जिले के सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केन्द्रों को शामिल किया जायेगा। जिले के दुल्मी विकास खण्ड में प्रिया के काम को देखते हुये प्रखण्ड पदाधिकारी जया शंखी मुर्मू ने प्रिया के हस्तक्षेप वाली ग्राम पाँच ग्राम पंचायतों (जमीरा, उसरा, ईचातू, डुल्मी, सोसो) की जिम्मेदारी पूरे तौर प्रिया को दी।

अभियान की रूपरेखा

प्रिया के द्वारा यूनीसेफ के सहयोग से झारखण्ड के पाँच जिलों (देवघर, लातेहार, रामगढ़, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम) में बीकन पंचायत को बनाने संबंधी एक परियोजना का संचालन किया जा रहा है। इस परियोजना में पाँच जिलों के कुल 25 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इन पंचायतों में ग्राम पंचायत के चयनित जनप्रतिनिधियों के साथ ही विभिन्न समूहों की क्षमताओं को बढ़ाने का काम किया

जा रहा है। इस पूरी परियोजना का एक प्रमुख हिस्सा ग्राम पंचायत की स्थायी समितियों को सशक्त बनाते हुये ग्रामीण विकास के विभिन्न कामों को समय से पूरा करना और समाज के सभी वर्गों का सामाजिक और आर्थिक विकास करना है।

रामगढ़ जिले में विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर तय किये गये कार्यक्रम के अनुसार दुल्मी प्रखण्ड के पाँच ग्राम पंचायतों में अभियान को चलाने की जिम्मेदारी मिलने पर प्रिया के द्वारा यह तय किया गया कि ग्राम पंचायतों क स्तर पर इन जिम्मेदारियों को ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, विशेष कर स्थायी समिति के सदस्यों के द्वारा निभायी जाय। इसको ध्यान में रखकर प्रिया द्वारा ग्राम पंचायत के मुखिया और पंचायत सेवकों के साथ चर्चा कर ग्राम पंचायत स्तर पर बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में ग्राम पंचायतों के चयनित प्रतिनिधियों के साथ ही पंचायत की शिक्षा और साफ सफाई तथा बाल विकास के विषय से संबंधित स्थायी समिति के सदस्यों और ग्राम पंचायत के चयनित स्वयं सेवकों को भी शामिल किया गया। इन बैठकों के दौरान उपस्थित लोगों को हाथ धुलाई के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुये उन्हें हाथ धुलाई के तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

अभियान की रूपरेखा

- ग्राम पंचायत स्तरीय बैठकों का आयोजन
- विषय पर समझ का निर्माण
- कार्यक्रम पर समझ का निर्माण
- दिन और समय पर समझ का निर्माण
- प्रभात–फेरी का पथ निर्धारण
- जिम्मेदारियों का बंटवारा
- प्रचार–प्रसार सामग्री का निर्माण
- कार्यक्रम के दिन समय पर उपस्थिति को सुनिश्चित करना
- कार्यक्रम का दस्तावेजीकरण

इन्हीं बैठकों में स्थायी समिति के सदस्यों को उनके ग्राम पंचायत में स्थित सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ियों में भ्रमण करने और वहाँ के शिक्षकों/ कार्यकर्ताओं तथा विद्यार्थियों/शिशुओं को हाथ धुलाई अभियान के बारे में बताना और उसे करके दिखाना तय किया गया। इसके साथ ही लोागों को आवश्यक प्रचार–प्रसार सामग्री (मुख्यतया बैनर) भी दिया गया जिससे हाथ धुलाई के तरीकों और चरणों को चित्र के माध्यम से देखकर भी सीखा जा सके।

इस पूरे अभियान के समुचित दस्तावेजीकरण करने (फोटो लेने और रिपोर्ट बनाने) की जिम्मेदारी भी लोगों को सौंपी गई। इस पूरे कार्यक्रम का प्रेस रीलीज भी जारी करना तय किया गया।

अभियान का संचालन

तय कार्यक्रम के अनुसार 17 अक्टूबर को प्रातः 8.00 बजे तक प्रत्येक ग्राम पंचायत के सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में सभी लोग उपस्थित हुये। तय कार्यक्रम के अनुसार सभी विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के द्वारा प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी विद्यालय के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सेदारी की। विद्यालयों के अध्यापिकाओं और अध्यापकों के निर्देशन में प्रभात फेरियों का आयोजन बड़े ही नियोजित तरीके के किया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने बहुत से नारों का भी उद्घोष किया। इनमें से कुछ प्रमुख निम्नवत थे–

- **खाने से पहले हाथ की सफाई, रोगों को दूर करे बढ़िया हो पढ़ाई।**
- **शौच के बाद, हाथ को साबुन से करो साफ।**
- **सबको यह बतलाना है, हाथ साफ करके खना है।**

प्रभात फेरी के माध्यम से गाँव के स्तर पर जागरूकता फैलाने के बाद छात्र–छात्राओं के द्वारा हाथ धुलने का अभ्यास किया गया। इस काम में विद्यालयों के अध्यापिकाओं और अध्यापकों के साथ ही ग्राम पंचायत के स्थायी समिति के सदस्यों और स्वयं सेवकों ने अपनी भूमिका जोर – शोर से निभायी। सभी छात्र–छात्राओं ने हाथ धुलाई के चरणों के अनुसार हाथ धुलाई की और इन चरणों को याद करने का प्रयास भी किया।

प्रभात फेरी के माध्यम से जागरूकता फैलाने और हाथ धुलाई के विभिन्न चरणों पर समझ बनाने के बाद छात्र–छात्राओं ने स्वच्छता के नियमों का पालन करने और अपने आस–पास के क्षेत्रों को साफ रखने के संबंध में शपथ भी ली। इस काम के लिये उन्होंने अलग से समय निकालने और दूसरों को सहयोग करने की भी शपथ ली। शपथ दिलाने के इस काम का संचालन ग्राम पंचायत की स्थायी समितियों के सदस्यों द्वारा किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में विद्यालयों की अध्यापिकाओं और अध्यापकों के साथ–साथ विद्यार्थियों का भी सहयोग मिला।

स्कूलों की ही तरह ग्राम पंचायतों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चे और बच्चियों को चित्रों के माध्यम से साफ–सफाई के बारे में बताने की कोशिश की गई। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ग्राम पंचायत की स्थायी समितियों के सदस्यों के साथ ही आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने बच्चों और बच्चियों को साफ पानी से हाथ धुलने के बाद साफ कपड़े से हाथ पोछा। इस दौरान आंगनबाडी केन्द्रों में नामांकित कुछ बच्चों और बच्चियों के अभिभावक भी आंगनबाड़ी केन्द्रों में आये और हाथ धुलाई के तरीकों को जानने के साथ ही हाथ धुलने के महत्व को भी जान पाये। दिन का समय होने को कारण बच्चों और बच्चियों ने पानी के साथ खेलते हुये हाथ धुलने का खूब आनन्द भी लिया।

अभियान की उपलब्धियाँ

विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा प्रिया को दी गई जिम्मेदारी से अभियान चलाया गया उसके बेहतर परिणाम मिले। प्रिया के द्वारा संचालित अभियान की कुछ प्रमुख उपलब्धियों को निम्न प्रकार से देखा जा सकता है–

- दुल्मी विकास खण्ड की पाँच ग्राम पंचायतों के कुल 35 विद्यालय इस अभियान में शामिल हुये।
- इन विद्यालयों के कुल 7061 छात्र–छात्राओं ने अभियान में अपनी सहभागिता निभायी।
- विकास खण्ड की पाँच ग्राम पंचायतों के कुल 50 आंगनबाड़ी केन्द्र इस अभियान में शामिल हुये।
- इन आंगनबाड़ियों के कुल 1074 बच्चे–बच्चियों ने अभियान में अपनी सहभागिता निभायी।

अभियान से बनी सीख

प्रिया के द्वारा ग्राम पंचायतों के सहयोग से और ग्राम पंचायतों की स्थायी समितियों को केन्द्र में रखकर चलाये गये अभियान से कुछ नयी सीखें बनी और कुछ पुरानी सीखों को मजबूती भी मिली। इन सभी सीखों को निम्नवत् देखा जा सकता है–

- ✓ ग्रामीण क्षेत्रों में चलाये जाने अभियानों को सफल और प्रभावशाली बनाने के लिये पंचायती राज संस्थाओं और उनकी संबंधित विषय पर गठित स्थायी समिति के सदस्यों को जोड़ना बहुत प्रभावकारी होता है।
- ✓ अभियान की सफतला के लिये स्थानीय हितभागियों की समझ और क्षमताओं को बढ़ाना आवश्यक है।
- ✓ अभियानों को रोचक और लोगों के लिये यादगार बनाने के लिये इसमें गीत, नारे तथा अन्य प्रचार–प्रसार सामग्रियों का उपयोग (श्रव्य–दृश्य) मददगार होता है।
- ✓ किसी भी अभियान की सफलता के लिये उसकी व्यापक रणनीति (क्या, कब, कहाँ, कैसे और कौन के आधार पर) बनाना बहुत जरूरी है।
- ✓ विद्यालयों और उनके विद्यार्थियों को किसी अभियान से जोड़ने पर इसकी व्यापकता (पहुँच) कई गुना बढ़ जाती है।

संलग्नक – 1

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर आयेजित अभियान मीडिया की नजरों से

17 हजार बच्चों ने धोए हाथ

विश्व हाथ धुलाई दिवस में शामिल चटाक विद्यालय के बच्चे।

संवाद सूत्र, दुलमी: दुलमी में मंगलवार को सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूली छात्र छात्राएं व आंगनबाडी केंद्रों के 17 हजार बच्चों ने हाथ धुलाई में भाग लिया। प्रिया संस्था के प्रवीण कुमार सिंह द्वारा सर्व प्रथम चटाक विद्यालय में बच्चों को हाथ धोने की दसों विधियों की जानकारी दी गई। छात्र छात्राओं व आंगनबाडी केंद्र के बच्चों को खीर, पुरी व सब्जी परोसा गया। अभियान को सफल बनाने के लिए जिले व प्रखंड के अधिकारी व कर्मी के साथ साथ जनप्रतिनिधि समाजिक कार्यकर्ता व राजनेता जुटे रहे। मौके पर बीडीओ जया शंखी मुर्मू, डीपीआरओ कृष्णनंदन प्रसाद, मुखिया ममता देवी, पार्वति देवी, शैलेष कुमार चौधरी, आशो देवी, देवंति देवी, रमेश बेदिया, हरिवश महतो, सुरजनाथ सिंह भोगता, इन्द्रदेव साव, प्रिया संस्था के प्रवीण कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, परेश्वर राम पटेल, दिलिप शर्मा, नरेन्द्र कुमार पटेल आदि मौजूद थे।

मधुमक्खियों ने अभियान में डाला खलल

उसरा विद्यालय में हाथ धुलाई अभियान आरंभ होने से 15 मिनट पूर्व मधुमक्खियों ने खलबली मचा दी। भय से शिक्षक व छात्र विद्यालय के कमरों में करीब 45 मिनट तक बंद रहे। मधुमक्खियों के शांत होने पर अभियान शुरु किया गया।

दुलमी के 17 हजार बच्चों ने 30 सेकेंड तक हाथ धोकर मनाया हैंडवाश डे

दुलमी | दुलमी में 17 हजार सरकारी और गैर सरकारी स्कूली छात्र छात्राए व आंगनबाडी केन्द्रों के बच्चों ने 30 सेकेंड में हाथ धोकर हैंडवाश डे मनाया। बीडीओ जयाशंखी मुर्मू सहित सभी पंचायत मुखिया और पंचायत पदाधिकारी सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर बच्चों हैंडवाश डे मनाया। वही प्रिया संस्था के प्रवीण कुमार सिंह द्वारा सर्व प्रथम चटाक विद्यालय में बच्चों को हाथ धोने के दसों विधियों की जानकारी दी गई। जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित समय सुबह ग्यारह बजे से पूरे प्रखण्ड में एक साथ हाथ धुलाई अभियान आरम्भ हुआ, जो आधे एक घंटे तक चला। इस के बाद छात्र-छात्राओं व आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को खीर, पूड़ी व सब्जी परोसा गया। अभियान को सफल बनाने के लिए जिले व प्रखण्ड के अधिकारी व कर्मी के साथ साथ जनप्रतिनिधि समाजिक कार्यकर्ता व राजनेता जुटे रहे। मौके पर बीडीओ जया शंखी मुर्मू, डीपीआरओ कृष्णनंदन प्रसाद, मुखिया ममता देवी, पार्वति देवी, शैलेश कुमार चौधरी, आशो देवी, देवंति देवी, रमेश बेदिया, हरिवश महतो, सुरजनाथ सिंह भोगता, इन्द्रदेव साव, प्रिया संस्था के प्रवीण कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, परेश्वर राम पटेल, दिलिप शर्मा, नरेन्द्र कुमार पटेल आदि मौजूद थे।